उपलब्ध न कराए जाने के क्या कारण हैं और इन स्थानों पर यह सुविधा कब तक उपलब्ध करा दी जाएगी, और

(ङ) क्या यह सच है कि राजस्थान के छोटे कस्बों में टेलीफोन सेवा खराब हो गई है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और यदि नहीं, तो शिकायतें प्राप्त होने के क्या कारण हैं ?

संचार मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री पी०वी० रंगैया नायडू) : (क) राजस्थान में 87 स्थानों में एस०टी०डी० सुविधा उपलब्ध है । यह संख्या मापदंडों के अनुसार अनुपातिक रूप से देश के अन्य भागों के बराबर है ।

(ख) ब्यौरे मुख्य विवरण में दिए गए हैं । **(नीचे देखिए)**

(ग) जी, नहीं । इस संबंध में एक निश्चित नीति है ।

(घ) इन एक्सचेंजों का अभी स्वचलीकरण किया जाना है इसलिए यहां एस०टी०डी० सुविधा प्रदान नहीं की जा सकी । करोली और हिंडौन में मार्च, 1993 तक एस०टी०डी० सुविधा प्रदान किए जाने की संभावना है ।

(ङ) जी नहीं, तथापि, कभी-कभी विद्युत आपूर्ति में काफी समय तक व्यवधान रहने के कारण कुल टेलीफोन एक्सचेंज थोड़े समय तक कार्य नहीं करते । विद्युत आपूर्ति बहाल होने पर एक्सचेंज भी कार्यरत हो जाते हैं । लाइनों, उपकरण और एक्सचेंज उपस्कर में खराबियों की सामान्य घटनाओं के कारण भी टेलीफोन सेवा में गड़बड़ी रहती ।

विवरण

राजस्थान के उन स्थानों के नाम जहां 1992–93 के अंत तक एस.टी.डी. सुविधा प्रदान किए जाने की संभावना है :—

लालसोट, मैडता सिटी, नेवाल, बारी, बाड़बुई, डीग, बयाना, रामगंजमंडी, नसीराबाद, भवानी मंडी, भद्रा, मिनमाल, आमेट, रतनगढ़, सरदारशहर, सुजानगढ़, कुचामनसिटी, गुलाबपुरा, हिन्डौन, करोली, अनूपगढ़, प्रतापगढ़ खैरली फतेहपुर पुष्कर गंगापुरसिटी महुआ, किशनगंज, कुम्हेर, नोखा, निम्बाहेड़ा, सादुरलपुर, श्री डूंगरगढ़, चाकसू, चोमू, झलारपटन लाडनू, सादुलशहर, सुजानसिटी, पदमपुर, खेतड़ी-सादड़ी, लक्ष्मणगढ़, फुलेरा, सूरतगढ़, माउंट आबू, सरसाना, श्रीमाधोपुर, नोहार, गंगापुर सिटी, राजगढ़, चिरवा, खेतड़ी, सांभर झील, वनस्थली, कनोटा, बरोनाडा ।

मध्य प्रदेश में दूरसंचार सुविधायें

3704. श्री अजीत जोगी :
श्री छोटूभाई पटेल :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि वर्ष 1992–93 के दौरान मध्य प्रदेश में किन-किन महत्वपूर्ण स्थानों पर एस० टी० डी० और अन्य दूरसंचार संपर्क सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी ?

श्री पी० वी० रंगैया नायडू): (संचार मंत्रालय में उप मंत्री) : (I) जहां वर्ष 1992–93 के दौरान एस०टी० डी० सुविधा प्रदान किए जाने की योजना है उन स्थानों के नाम नीचे दिए गए हैं :—

कंकेर, बानमोरे, गोहाद, मेहगांव, मलनपुर, खजूरी, बिल्हा, चम्पा, कोरबा, खुजराहो, पंढूरना, परसिया, सोनकच्छ, धामनोड, बलोड, कुमहारी, अशोकनगर, रघोगढ़, रूथिया, विजयपुर, दबरा, मोहना, हुर्दा, पिपरिया, दीपालपुर, सनवेर, सिहोरा, मैंदनगर, बरवानी सेंधवा मनासा, गदरवारा, गोटेगांव, करेली, खसिया, पाथलगांव जशपुरनाग, भाटपाड़ा, महसामुड, सरायपल्ली, सिमगाकू, जखुरई, अस्था, शुजालपुर, चुरहाट, बाडनगर, कचरोड, गजबसोडा ।

(II) जिन अन्य संचार लिंकों का कार्य समाप्त किए जाने की योजना है उनके ब्यौरे संलग्न विवरण दिए गए है ।

विवरण

1992-93 के दौरान मध्य प्रदेश में जिन अन्य दूरसंचार लिंकों का कार्य समाप्त किए जाने की योजना है, उनके नामों की सूची

क्रम सं०	प्रणाली का नाम
1.	बालाघाट-वरघिवनी 8 एम० बी० ओ० एफ० सी०
2.	कंकेर-जगदलपुर 120 डी० यू० एच० एफ०
3.	ग्वालियर-मलानपुर-गोहाद 8 एम० बी० ओ० एफ० सी०
4.	मेहगांव यू० एच० एफ० भिण्ड-ग्वालियर यू० एच० एफ० मार्ग छोड़कर
5.	सोनकच्छ ओ० एफ० सी० इदौर भोपाल मार्ग छोड़कर
6.	दुर्ग-बालोद 120 डी० यू० एच० एफ०
7.	ग्वालियर-दबरा 60 ए० यू० एच० एफ०
8.	पिपरिया-होशंगाबाद 120 यू० एच० एफ०
9	सनदवेर-इन्दौर 120 डी० यू० एच० एफ०
10	गडरवारा यू० एच० एफ० नैनपुर-मार्ग छोड़कर
11.	गड़रवारा-यू० एच० एफ नैनपुर पिपरिया मार्ग छोड़कर
12.	महसमुंद-रायपुर 60 ए० यू० एच० एफ०
13.	रतलाम-सैलाना 30 डी० यू० एच० एफ०
14.	मन्नपुर-झानपुरी-महदोल 30 डी० यू० एच० एफ०
15.	बरलागर-भडनावार 60 ए० यू० एच० एफ०
16.	रायपुर-दुर्ग-भाटपाड़ा 60 ए० यू० एच० एफ०
17.	छिदवारा-परसिया 120 डी० यू० एच० एफ०
18.	करेली-नरसिंहपुर 120 डी० यू० एच० एफ०
19.	चम्पा-कोबी 60 ए० यू० एच० एफ०
20.	कचरोड-यू०ए० एच० एफ० रतलाम नामदा यू० एच० एफ० छोड़कर ।
21.	मेहनगर-झबुआ 12 ए० यू० एच० एफ०
22.	सरायपलिंग माइक्रोवेव छोड़कर
23.	रायपुर-धर्सीवा 12 ए० यू० एच० एफ०
24.	पटूरना-छिंदवाड़ा 30 डी० यू० एच० एफ०
25.	ग्वालियर-बानमोर-12 ए० यू० एच० एफ०
26.	रायपुर-सिमोड़ा 30 डी० यू० एच० एफ०